



# मधुबन

## MADHUBAN

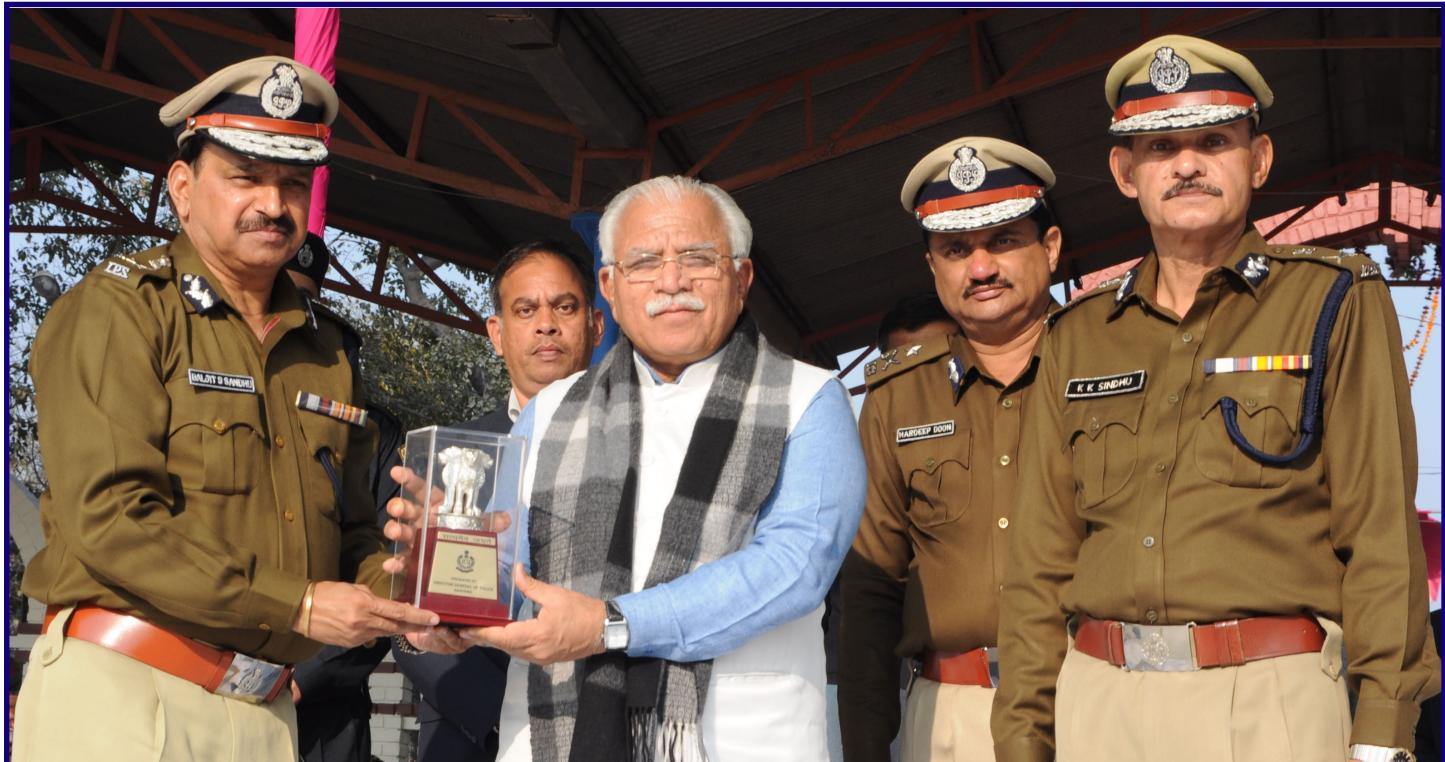
हरियाणा पुलिस अकादमी का मुख्यपत्र  
A NEWS LETTER OF HARYANA POLICE ACADEMY  
website : <http://www.hpa.haryanapolice.gov.in>



वर्ष 11 Volume I

जनवरी-मार्च JANUARY-MARCH 2018

अंक Issue XXXX



पुलिस अकादमी मधुबन में श्री मनोहर लाल, माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए हरियाणा पुलिस महानिदेशक श्री बीएस संधू भापुसे व अन्य अधिकारी गण



पीटीसी सुनारिया में माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा को डीजीपी हरियाणा द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट

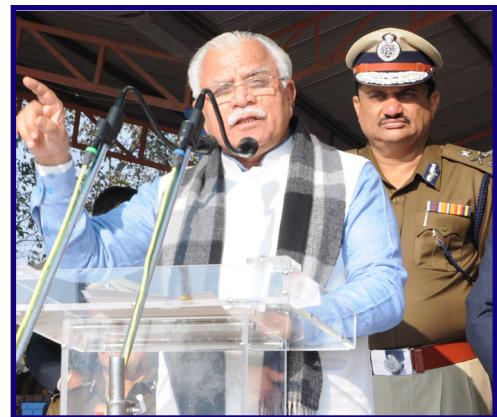


श्री मनीष ग्रोवर, सहकारिता मंत्री, हरियाणा को श्री देशराज सिंह भापुसे, एडीजीपी पीटीसी सुनारिया द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट

## नैतिकता, न्याय और निःदरता से बढ़ें जीवन में - सीएम हरियाणा

14 जनवरी का दिन हरियाणा पुलिस अकादमी के लिए यादगार रहा। एक दशक से भी अधिक समय के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मधुबन परिसर में पहुंच कर पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन किया। मकर सक्रांति के दिन प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में पहुंचकर अकादमी तथा आरटीसी नेवल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 1721 रैक्टर्ट सिपाहियों को संबोधित किया और अकादमी परिसर का दौरा किया। इस अवसर पर हरियाणा पुलिस के महानिदेशक श्री बीएस संधू भापुसे ने मुख्यमंत्री का स्वागत तथा अकादमी के निदेशक श्री केके सिंधु भापुसे ने आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री हरियाणा ने अपने संबोधन में मकर सक्रांति की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज से सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायन होता है जिसके कारण दिन में और अधिक प्रकाश व उर्जा प्राप्त होने लगती है। जिस प्रकार मौसम में सकारात्मक परिवर्तन होते हैं उसी प्रकार व्यक्ति को भी अपने जीवन में अच्छा परिवर्तन लाने का संकल्प और प्रयास करना चाहिए। मधुबन में न आने के मिथक के बारे में श्री मनोहर लाल ने कहा कि मधुबन में प्रशिक्षण प्राप्त करके पुलिसकर्मी व अधिकारी जीवन भर समाज की सेवा में लग जाते हैं ऐसे में यह एक पवित्र स्थान है। उन्होंने रैक्टर्टों से कहा कि प्रशिक्षण के 3 माह बकाया हैं। इस दौरान शारीरिक, बौद्धिक प्रशिक्षण के साथ समाज में उच्च कोटि का नागरिक बनने के लिए मानसिक परिवर्तन को भी अंगीकार किया जाना चाहिए। पुलिस में उच्च शिक्षित युवाओं का आना उनके देश-प्रेम और समाज-सेवा की भावना को उजागर करता है। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया के बारे में कहा कि 3 साल पहले जब पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया नहीं थी तब नौकरी नेता लगाते थे, योग्यता नहीं। इस भर्ती प्रक्रिया से अपनी क्षमता के प्रति युवाओं में विश्वास बढ़ा है। अब युवा अपने माता-पिता की मकान, दुकान बेचकर पैसों से नौकरी प्राप्त करने के बारे में नहीं बल्कि अपनी योग्यता और क्षमता को बढ़ाने के बारे में सोचने लगे हैं ताकि वे अच्छी नौकरी पा सकें। पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया का लक्ष्य समाज को ऐसा समाज केंद्रित सेवक प्रदान करना है जो ईमानदारी, परोपकार, सेवा और न्याय के बारे में विचार करे स्वार्थ के बारे में नहीं। उन्होंने कहा कि जनता 5 साल के लिए शासन चलाने के लिए सरकार को चुनती है लेकिन इन 5 साल के लिए चुने गए प्रतिनिधियों को 35 साल के लिए जनता की सेवा करने वालों को चुना होता है, ऐसे में किसी गलत आदमी को नहीं चुना जाना चाहिए।



उन्होंने प्रशिक्षणर्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के बाद ड्यूटी करते समय कठिन से कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। हमेशा निःदरता और मजबूती से आगे बढ़ते रहना होगा। जीवन में आगे बढ़ने के लिए तीन बातों का हमेशा ध्यान रखें। नैतिकता, न्याय और निःदरता। अपना नैतिक बल बनाए रखें और अच्छे उदाहरणों को याद रखें। अपने मन को तैयार रखें कि गलत काम नहीं करूंगा। न्याय के बारे में ध्यान रखें कि न्याय का आधार तैयार करने वाले से ही सच्चा न्याय प्राप्त होता है। सही आधार तभी तय कर पाएंगे जब निःदरता से कार्य करेंगे। सही और गलत में अंतर समझने और कहने की योग्यता निःदरता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अपनी मेहनत व बहादुरी के गुण के चलते ये पुलिसकर्मी सरकार और समाज के साथ मिलकर हरियाणा को उच्च कोटि का प्रदेश बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

माननीय मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री बीएस संधू भापुसे ने कहा कि आज का दिन इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि अब से पहले अकादमी यहां आने का निवेदन करती थी लेकिन इस बार माननीय मुख्यमंत्री ने स्वयं यहां आने की पहल की है। माननीय मुख्यमंत्री का ओजस्वी संबोधन हमें और इन युवा पुलिसकर्मियों को नई दिशा और प्रेरणा देगा।

माननीय मुख्यमंत्री के अकादमी दौरे के अवसर पर राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो के महानिरीक्षक श्री श्रीकांत जाधव भापुसे, करनाल रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री सुभाष यादव भापुसे, हरियाणा सशस्त्र पुलिस के महानिरीक्षक श्री हरदीप सिंह दून भापुसे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी व इलाके के गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। इसी क्रम में माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा ने 5 फरवरी को पीटीसी सुनारिया में पहुंचकर वहां के प्रशिक्षणर्थियों को संबोधित किया।



## मधुबन अकादमी में राज्य स्तरीय पुलिस कल्याण सभा का आयोजन

24 फरवरी को हरियाणा पुलिस अकादमी के हर्षवर्धन सभागार में राज्य स्तरीय पुलिस कल्याण सभा का आयोजन किया गया। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री बीएस संधू भापुसे की अध्यक्षता में हुई इस सभा में पुलिसकर्मियों के कल्याण से जुड़े मामलों के बारे में निर्णय लिए गए। इसमें हरियाणा पुलिस की सभी इकाइयों के प्रमुख व प्रतिनिधि कर्मचारियों ने भाग लिया। सभा में मुख्य रूप से पुलिसकर्मियों के आवास, बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा संबंधी सुविधाओं व पदोन्नति विषयों पर विचार विमर्श हुआ। अध्यक्ष महोदय ने अपने अधिकार क्षेत्र के बिंदुओं पर चर्चा के बाद स्वीकृति प्रदान की। पुलिस मुख्यालय में सहायक महानिरीक्षक, कल्याण श्री विकास धनखड़ भापुसे ने सभा में बिन्दुवार एजेंडा प्रस्तुत किया।

श्री संधू ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में हरियाणा पुलिस के कल्याण और विकास के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार पुलिस कल्याण के प्रति सकारात्मक है। पुलिसकर्मियों पर कार्य का दबाव कम हो इसके लिए पुलिस में नियमित भर्ती और विशेष पुलिस अधिकारी के रूप में मानव संसाधन को निरन्तर बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार व पुलिस के शीर्ष अधिकारी पुलिस के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत्

हैं, इसलिए कल्याण की चिंता छोड़ पूरा ध्यान समाज को बेहतर पुलिसिंग प्रदान करने पर लगाया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले सालों में पुलिस उसके सामने आने वाली प्रत्येक चुनौती का पेशेवर तरीके से समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग टेक्नोलॉजी का है। इसलिए अपनी डियूटी में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करें और मेहनत के साथ स्मार्ट तरीके से कार्य करें। श्री संधू ने कल्याण सभा के माध्यम से समाज के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि हरियाणा पुलिस में एक बेहतर



केरियर और समाज की सेवा का सर्वोत्तम अवसर है। वर्तमान में एक पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया हरियाणा में अपनाई जा रही है इस अवसर का योग्य युवक-युवतियों को लाभ उठाना चाहिए।

विभिन्न पुलिस इकाइयों द्वारा कर्मियों के लिए सरकारी मकानों की कमी संबंधी सभी मांगों को श्री संधू ने स्वीकार करते हुए नये मकान बनाने की स्वीकृति प्रदान की। श्री संधू ने पुलिसकर्मियों के बच्चों की शिक्षा के महत्व को समझते हुए कहा कि वर्तमान में 17 जिलों में 18 डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल हैं, आगे फरीदाबाद, नारनौल, फतेहाबाद, यमुनानगर जिलों में भी 9 अप्रैल से डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल स्थापित हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का समाज के उत्थान में बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने इन स्कूलों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए और अधिक अंशादान करने हेतु पुलिस अधिकारियों व कर्मियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा पुलिसकर्मी को सेवानिवृति पर कल्याण-कोष से पहले 20 साल बाद लाभ मिलता था अब ये लाभ इससे कम अवधि में भी मिले इसके लिए समिति बनाई गई है। पदोन्नति में असमानता की समस्या पर श्री संधू ने कल्याण सभा को बताया कि 600 उप-निरीक्षकों के पद स्वीकृत हुए हैं जिनमें से 50 प्रतिशत को उन रेंज से पदोन्नति द्वारा भरा जाएगा जहां पदोन्नति अपेक्षाकृत देरी से हो रही है।

कल्याण सभा में मंच पर एडीजीपी मुख्यालय श्री पी के अग्रवाल भापुसे, एडीजीपी प्रशासन डा. आर सी मिश्रा भापुसे, एडीजीपी रेलवे-कमांडो, श्री आलोक राय भापुसे व एडीजीपी मानवाधिकार श्री ओपी सिंह भापुसे तथा सभा में विभिन्न इकाइयों के पुलिस महानिरीक्षक व पुलिस अधीक्षक भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्वागत अकादमी के पुलिस अधीक्षक श्री राजेंद्र कुमार मीणा भापुसे द्वारा तथा व्यवस्था प्रबन्धन अकादमी के पुलिस अधीक्षक श्री विनोद कुमार कौशिक भापुसे द्वारा किया गया।



## प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन व परिश्रम ही बनाते हैं सफल- श्री केके सिंधु

28 मार्च को अकादमी की डा. बीआर आंबेडकर रंगशाला में अकादमी में आए नए लोयर स्कूल कोर्स बैच नं. 65 के प्रशिक्षणार्थियों से परिचय सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अकादमी के निदेशक श्री केके सिंधु भापुसे ने शिरकत की। श्री सिंधु ने प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया तथा उन्हें उस उद्देश्य से अवगत भी कराया जिसके लिए वो अकादमी में अपनी यूनिटों से आए हैं।

श्री सिंधु ने अपने संबोधन में कहा कि लोयर स्कूल कोर्स पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिसमें सभी कार्य पारदर्शी तरीके से हो रहे हैं। आऊटडोर व इनडोर परिक्षाओं की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाती है।

प्रशिक्षणार्थियों द्वारा करने योग्य न करने योग्य कार्य की सूची बैरकों के नोटिस बोर्ड पर लगाई गई है। उन्होंने कहा कि हाजिरी और फिजिकल के अंक आपकी मेहनत व अनुशासन पर निर्भर करते हैं।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि प्रशिक्षण के चार महीने आपके व्यक्तित्व पर काफी प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप इस कोर्स के दौरान फेल हो जाते हैं तो आपकी वरिष्ठता पर फर्क पड़ता है। अगर आप दिए हुए दूसरे अवसर पर भी फेल हो जाते हैं तो आप कोर्स करने की योग्यता ही खो देते हैं। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के अनुचित संसाधनों के प्रयोग से बचें। अगर आप कोर्स के दौरान किसी भी परीक्षा में छुट्टी पर हैं तो आपको दोबारा वह परीक्षा देने का अवसर नहीं दिया जाएगा और उस परीक्षा में आपके शून्य अंक माने जाएंगे। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन को सबसे महत्वपूर्ण बताया तथा अनुशासन में रहने के हिदायत दी।

श्री सिंधु ने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण के दौरान कड़ी मेहनत व लगन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान कड़ी मेहनत व लगन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान कड़ी मेहनत व लगन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान कड़ी मेहनत व लगन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान कड़ी मेहनत व लगन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान कड़ी मेहनत व लगन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।



दौरान प्राप्त किए गए ज्ञान-कौशल को अपने कार्यक्षेत्र में अंगीकार करें और आप आप आम नारिंगियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरें। इस अवसर पर अकादमी के पुलिस अधीक्षक श्री विनोद कुमार कौशिक भापुसे, अकादमी के जिला न्यायवादी श्री अशोक कुमार, अकादमी के उप पुलिस अधीक्षक श्री विवेक चौधरी हपुसे, श्री विरेन्द्र सिंह हपुसे, श्री अमरजीत सिंह कटारिया हपुसे, श्री याद राम हपुसे एवं अकादमी के मुख्य कवायद प्रशिक्षक श्री रणधीर सिंह निरीक्षक, मुख्य कानून प्रशिक्षक सुश्री कनूप्रिया निरीक्षक व अन्य प्रशिक्षक भी उपस्थित रहें।

### अकादमी के प्रशिक्षक ने जीता स्वर्ण पदक : निदेशक महोदय ने दी बधाई

24 फरवरी को हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में प्रशिक्षक जितेंद्र व राजेश कुमार ने 18 फरवरी को संपन्न हुई भारत-बांगलादेश मास्टर्स ऐथेलेटिक्स प्रतियोगिता में अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल कर हरियाणा पुलिस एवं राज्य का नाम रोशन किया। 24 फरवरी को अकादमी में पहुंचने पर अकादमी के निदेशक श्री केके सिंधु भापुसे, करनाल रेंज के महानिरीक्षक श्री सुभाष यादव भापुसे, अकादमी की पूर्व महानिरीक्षक डा० सुमन मंजरी भापुसे ने इन दोनों प्रशिक्षकों को बाधाई दी और प्रोत्साहित किया। यह प्रतियोगिता 14 से 18 फरवरी तक दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित हई थी।

करनाल जिले के गांव हसनपुर में जन्मे प्रशिक्षक उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार आरम्भ से ही मैराथन के शौकीन रहे हैं तथा देश-विदेश की अनेक मैराथन स्पर्धाओं में अपना कौशल दिखा चुके हैं। 49 वर्षीय जितेंद्र मास्टर्स ऐथेलेटिक्स प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 90 से अधिक पदक अपने नाम कर चुके हैं। जिनमें 30 स्वर्ण 40 रजत व 22 कांस्य पदक हैं। जितेंद्र 45 से 50 के आयु वर्ग में 2015 से लगातार नेशनल चैम्पियन हैं। वे भारत-बांगला देश वाली वर्तमान प्रतियोगिता की 10 हजार मीटर दौड़ स्पर्धा में स्वर्ण व 1500 मीटर दौड़ स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता रहे हैं।

अकादमी के एक और प्रशिक्षक सहायक उप निरीक्षक राजेश कुमार ने 40 से 45 के आयु वर्ग की 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किया है। राजेश कुमार अकादमी में ड्रील प्रशिक्षक हैं।



## रक्तदान करने वाले होते हैं भाग्यशाली- विनोद कौशिक

रक्तदान करने वाला व्यक्ति भाग्यशाली होता है क्योंकि उसे ऐसा दान करने का मौका मिल रहा है जिसका कोई विकल्प नहीं। एक स्वस्थ व्यक्ति ही रक्तदान कर सकता है इस प्रकार रक्तदाता अच्छे स्वास्थ्य का भी स्वामी होता है। यह उद्गार हरियाणा पुलिस अकादमी के पुलिस अधीक्षक श्री विनोद कुमार कौशिक भापुसे ने मधुबन में 09 जनवरी 2018 को आयोजित रक्तदान शिविर में व्यक्त किए। इस शिविर का शुभारम्भ उन्होंने रक्तदाता जवानों को बैज लगाकर किया। इस मौके पर हरियाणा सशस्त्र पुलिस मधुबन की चतुर्थ वाहिनी के आदेशक श्री ओमवीर सिंह भापुसे भी उनके साथ थे। इस शिविर में अकादमी की महिला पुलिसकर्मियों ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया। शिविर में 109 यूनिट से अधिक रक्तदान हुआ। रक्तदान शिविर अकादमी के निदेशक श्री केके सिंधु भापुसे की प्रेरणा से अकादमी की पर्यावरण एवं विज्ञान कल्ब द्वारा आयोजित किया गया।

श्री कौशिक ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मनुष्य वही जो दूसरों के काम आए। रक्तदान महादान है। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से वर्तमान में शरीर के विभिन्न अंगों का उपयोग आंखों को ज्योति प्रदान करने में, जीवन बचाने में किया जाना संभव होने लगा है। इसलिए आज मानव कल्याण चाहने वाले अनेक व्यक्ति अपना समस्त शरीर दान करने का संकल्प ले रहे हैं। पुलिसकर्मी होने के नाते रक्तदान मानव सेवा का दोहरा अवसर है। उन्होंने अकादमी के निदेशक श्री केके सिंधु भापुसे की ओर से रक्तदाताओं को इस नेक कार्य के लिए बधाई दी।

शिविर में कल्पना चावला मेडीकल कॉलेज करनाल की डाक्टर सोनाली ने रक्तदान के प्रति पुलिस जवानों के उत्साह की सराहना की और कहा कि इस प्रकार मानव सेवा के कार्य के लिए पुलिसकर्मियों की रुचि प्रशंसनीय है। उन्होंने रक्तदान के बारे में शंकाओं का निदान करते हुए बताया कि रक्तदान करने से कोई कमज़ोरी नहीं आती। एक स्वस्थ व्यक्ति 90 दिन के बाद रक्तदान कर सकता है।

इस अवसर पर हरियाणा पुलिस अकादमी की पर्यावरण एवं विज्ञान कल्ब के संयोजक प्रशिक्षु डीएसपी अनिल पटियाल ने रक्तदान शिविर आयोजन में सहयोग के लिए अकादमी के निदेशक श्री केके सिंधु भापुसे, कल्पना चावला मेडीकल कॉलेज के निदेशक व डा. सोनाली, राजेश, मंजु, सीमा, अनिल, मधुबन अस्पताल के डा. गगन पासी व अश्विनी, फार्मसीस्ट सतीश कुमार, मनबीर सिंह, रजत गुप्ता तथा अकादमी के सीडीआई रणधीर सिंह, सीएलआई कनूप्रिया तथा सहयोगी स्टाफ का आभार व्यक्त किया।



### मधुबन पुलिस परिसर में आशा स्कूल के बच्चों ने मनाई होली

01 मार्च को मधुबन पुलिस परिसर के आशा स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने हर्ष और उल्लास से होली के त्यौहार को मनाया। हरियाणा सशस्त्र पुलिस की द्वितीय वाहिनी के आदेशक श्री विनोद कौशिक भापुसे, चतुर्थ वाहिनी के आदेशक श्री ओमवीर सिंह भापुसे, पंचम वाहिनी के आदेशक श्री नृपजीत सिंह भापुसे ने इस उत्सव में शामिल होकर बच्चों को आर्शीवाद दिया और बच्चों संग फूलों की होली खेलकर खुशियां साझी की।

होली के इस पावन कार्यक्रम में प्रसिद्ध समाजसेविका आलोका कविराज ने भी शिरकत की और होली के त्यौहार पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि होली का पर्व अंहकार पर श्रद्धा व विश्वास की जीत है। इस खुशी के पर्व से लोगों में भ्रातृत्व भाव का विकास होता है। लोग आपसी वैमनस्य को भुलाकर एक दूसरे को गले लगाकर गुलाल-अबीर लगाते हैं। आदेशक श्री विनोद कौशिक भापुसे ने कहा कि इन बच्चों का अपना ही एक संसार है जिसमें ये हर पल खुश रहते हैं। हर हाल में खुश रहना इन बच्चों से सीखा जा सकता है। चतुर्थ वाहिनी के आदेशक श्री ओमवीर सिंह भापुसे ने इस अवसर पर कहा कि हमें समाज में हाशिये पर रहे व्यक्तियों और दिव्यांग बच्चों को अपनी खुशियों में शामिल करना चाहिए। इन बच्चों के साथ त्यौहार मनाकर इन्हें खुश रहने का एक और मौका प्रदान करना चाहिए। पंचम वाहिनी के आदेशक श्री नृपजीत सिंह भापुसे ने कहा कि विशेष बच्चों के साथ त्यौहार मनाना, इनके साथ प्यार और खुशियां साझी करने का प्रयास है तथा इन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की एक सकारात्मक पहल है। इस अवसर पर श्रीमती आलोका कविराज ने बच्चों को मिठाईयां और फल भी वितरित किए। बच्चों ने होली के गीतों पर खूब झूमते हुए आनंद लिया। इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक द्वितीय वाहिनी श्रीकृष्ण हुड़ा, कार्यालय अधीक्षक रीना बक्शी, उपनिरीक्षक नरसिंह, ओमप्रकाश, कृष्णगोपाल, सहायक उप निरीक्षक अशोक कुमार, हवलदार संजय पोरिया, कुलदीप सिंह, राजीव, कर्ण सिंह, मनीष, रणबीर सिंह स्कूल स्टाफ, चतुर्थ वाहिनी व पंचम वाहिनी के सदस्य उपस्थित रहे।



## जमाकर्ताओं के हित की सुरक्षा हेतु मधुबन में कार्यशाला का आयोजन

02 फरवरी को हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के हर्षवर्धन सभागार में आज जमाकर्ताओं के हितों की सुरक्षा और धोखाधड़ी वाली जमा योजनाओं के प्रति जागरूकता हेतु राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए डीएसपी, इंस्पैक्टर व अन्य पुलिस अनुसंधान अधिकारियों ने भाग लिया। भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी श्री जयकर मिश्रा व सेबी के अधिकारी श्री शशांक गुप्ता ने प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की।

रिजर्व बैंक दिल्ली के गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) विभाग में पर्यवेक्षक श्री जयकर मिश्रा ने अपने व्याख्यान में रिजर्व बैंक



व एनबीएफसी के बारे में परिचय कराते हुए कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक 1935 में आरम्भ हुआ था तथा 1949 में इसका राष्ट्रीयकरण हुआ। यह सरकार और बैंकों का बैंक है। यह बैंकों में जमाकर्ताओं की राशि की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। वर्तमान में किसी बैंक में एक लाख रुपये तक की जमाराशि की गारंटी दी गई है। उन्होंने बैंकों में जमा पैसे की सुरक्षा को लेकर सोशल मीडिया में चल रही अफवाहों पर, एक सवाल के जवाब में कहा कि यदि संसद में इस संबंध में फाईनैसियल रेजोल्युशन डिपोजिटर्स इंश्योरेंस बिल पास होता है तो इससे जमाकर्ताओं की बैंक में राशि और ज्यादा सुरक्षित हो जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी जमाकर्ता की सीमित राशि से अधिक राशि को बैंक के हित में उपयोग करने से पूर्व जमाकर्ता की सहमति ली जाएगी।

उन्होंने कहा कि बैंक के अलावा पंजीकृत गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां कर्ज आदि देने का कार्य करती हैं जिनमें से भी केवल 23 को ही जमा के रूप में राशि प्राप्त करने की अनुमति है। इसलिए ज्यादा ब्याज के लालच में यह पहले देख लेना चाहिए कि संस्था को जमा स्वीकार करने की मान्यता है या नहीं। वर्तमान में किसी भी गैर बैंकिंग कंपनी को साढ़े बारह प्रतिशत वार्षिक से अधिक ब्याज

देने की मनाही है। अगर कोई ऐसा करता है तो यह धोखा है और इसकी शिकायत रिजर्व बैंक को की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक के बाद एक धोखाधड़ी की घटना होने के बाद भी बहुत से लोग जल्दी अमीर बनने की चाह में धोखेबाजों का शिकार हो जाते हैं। चिट फंड, पांजी स्कीम, नेटवर्क मार्किटिंग या अन्य किसी प्रकार का लालच देकर किसी व्यक्ति से पैसे जमा के रूप में स्वीकार करना कानून अपराध है। उन्होंने कहा कि जमाकर्ता को सबसे पहला प्रश्न अपने आप से ही करना चाहिए कि क्यों साप्तने वाला इतना मेहरबान हो रहा है? यदि जमाकर्ताओं ने यह प्रश्न पूछा होता तो ईमू फार्मिंग, प्लॉटेशन, रीयल एस्टेट में उंची कमाई जैसी धोखाधड़ी वाली योजनाओं के वे शिकार नहीं होते।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले जमाकर्ता की सजगता जरूरी है। इसके लिए रिजर्व बैंक ने [www.sachet.rbi.org.in](http://www.sachet.rbi.org.in) नाम से बेबसाइट बनाई है। इस बेबसाइट पर किसी भी वित्तीय संस्था की जानकारी प्राप्त की जा सकती है, धोखे वाली स्कीमों की जानकारी दी जा सकती है और अपनी शिकायत भी दर्ज कराई जा सकती है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) अधिकारी श्री शशांक गुप्ता ने बताया कि सेबी निवेशकर्ताओं के हितों का संरक्षण करने के लिए प्राथमिक संस्था है। उन्होंने कहा निवेशकर्ताओं के संरक्षण में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है। उन्होंने सामूहिक निवेश योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सामूहिक निवेश योजनाएं दो प्रकार की होती हैं एक जिनमें कोई भी आर्थिक गतिविधि अर्थात् क्रय-विक्रय, वस्तु का लेन-देन नहीं होता, इसमें केवल पैसों का उपयोग होता है। चिट-फंड, कमेटियां डालना, पांजी स्कीम इसके उदाहरण हैं। ईमू फार्मिंग, जमा के बदले भूखंड देने की योजनाएं आर्थिक गतिविधि वाली सामूहिक निवेश योजनाएं हैं। निवेशकर्ता को यह ध्यान रखना चाहिए कि यदि कोई भी व्यक्ति संस्था 50 से अधिक व्यक्तियों से किसी भी नाम से जमा स्वीकार करता है तो उसे सेबी के पास पंजीकृत होना चाहिए। ऐसा कानून डीप्ट पब्लिक इश्यु के दायरे में आएगा और इसकी शिकायत सेबी की बेबसाइट पर की जा सकती है। उन्होंने कहा कि लोगों की जागरूकता के कारण हाल ही में इसी प्रकार की एक स्कीम को 12 करोड़ पर ही पकड़ लिया गया। उन्होंने कहा कि अधिक पैसा कमाने के लालच और पैसा खो जाने के डर से बाहर निकलें, धोखेबाज कुछ भी नहीं कर पाएगा। प्रायः इस डर में कि ईनाम की बड़ी राशि कहीं हाथ से न निकल जाए, व्यक्ति धोखेबाज के जाल में फँसकर उसको रुपये भेज देता है।

कार्यशाला के आरम्भ में अकादमी के जिला न्यायवादी श्री राजेश कुमार चौधरी ने अतिथि वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि ज्ञान ही शक्ति है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज की कार्यशाला पुलिस के माध्यम से समाज की खून पसीने की कमाई को धोखे बाजों से महफूज रखने में मील का पत्थर साबित होगी। श्री चौधरी के प्रश्न पर रिजर्व बैंक के अधिकारी ने कहा कि क्लीन नोट पॉलिसी के तहत बैंकों को नोटों पर न लिखने के निर्देश दिए गए हैं। इस पॉलिसी में जनता को भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की आवश्यकता है। लिखाई वाले नोट बैंक में स्वीकार्य हैं। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने इस नए विषय पर बढ़-चढ़कर भागीदारी की।



## जेण्डर सेंसीटाइजेशन समाज के लिए भी अनिवार्य- रेखा शर्मा

15 मार्च को हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के हर्षवर्धन सभागार में राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली के तत्वावधान में कम्युनिटि पुलिसिंग विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एक दिन की इस कार्यशाला में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए 380 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यशाला के शुभारम्भ सत्र में राष्ट्रीय महिला आयोग की चेयरपर्सन श्रीमती रेखा शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। श्रीमती शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस समाज में जो बदलाव लाना चाहती है उस बदलाव को वह पहले अपने में लाए। समाज में अपने आप ही बदलाव हो जाएगा। पुलिस समाज का ही अंग है और समाज के बीच रहकर पुलिस को बहुत ही सूझ-बूझ के साथ कार्य करना चाहिए। श्रीमती शर्मा ने कहा कि महिलाओं की सहायता और पीड़ित महिलाओं को अपनी बात सांझी करने में किसी भी प्रकार की दिल्लिक न हो। इसके लिए अलग से महिला थाने भी हरियाणा में खोले गए हैं। महिला पुलिसकर्मियों को इस बात का ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि उनके व्यवहार में पीड़ित महिला के प्रति विन्रमता दिखाई दे। जेण्डर सेंसीटाइजेशन केवल पुलिस का ही नहीं बल्कि समाज के उन लोगों का भी होना चाहिए जिनकी महिलाओं के प्रति नकारात्मक सोच है। आज के लोकतान्त्रिक परिवेश में पुलिस को अपनी परम्परागत सोच को त्यागकर लोकतान्त्रिक सोच को अपनाना होगा। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय महिला आयोग के संयुक्त सचिव श्री केएल शर्मा ने लिंग संवेदीकरण के प्रति पुलिस की भूमिका पर विचार रखते हुए कहा कि पुलिस को पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर सोचना चाहिए। अकसर सरकारी तन्त्र में काम करने वाले लोग अपने आप को मालिक समझ बैठते हैं, जिस दिन वे यह समझ लेंगे कि देश का नागरिक ही मालिक है, तो सरकारी तन्त्र में बदलाव का होना सहज हो जाएगा।

प्रेरक वक्ता पूर्व आईएएस अधिकारी श्री विवेक अत्री ने भावनात्मक संतुलन, खुशिया और लिंग आधारित मुद्दों पर अपने व्याख्यान में कहा कि हमें दूसरों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए जो हमें स्वयं पसंद नहीं है। नकारात्मकता हमारे शरीर को हानि ही नहीं पहुंचाती बल्कि हमारे आसपास के परिवेश को भी कुप्रभावित करती है, इसलिए सदा अपने चेहरे पर मुस्कान बनाए रखें। मुस्कान हमारे कार्य को उर्जा देती है। श्रीमती गीता राठी सिंह ने 'पुलिस अधिकारियों के लिए महिलाओं के प्रति अपराध और उनकी काउंसलिंग सम्बंधी रणनीति' विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब समाज में बदलाव को स्वीकार करना होगा। हरियाणा को पूरे भारत में घटते लिंग अनुपात के कारण जाना जाता था लेकिन मुझे खुशी है कि आज हरियाणा प्रदेश में लिंग अनुपात में तेजी से सुधार हुआ है यह समाज की सकारात्मक सोच की ओर इशारा करता है। डा. दीपक राज राय असीसटेंट प्रोफेसर साईबर फोरेंसिक ने भविष्य में सामाजिक मीडिया और महिलाओं की सुरक्षा संबंधी चुनौतियों पर अपने व्याख्यान में कहा कि हमें सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत सूचनाएं शेयर नहीं करनी चाहिए क्योंकि कोई भी व्यक्ति हमारी वास्तविक पहचान का गलत उपयोग कर सकता है। इस बात का सदा ध्यान रखें कि सोशल मीडिया का प्रयोग विवेक से करें। राष्ट्रीय महिला आयोग की वरिष्ठ संयोजिका श्रीमती कंचन खट्टर ने 'अप्रवासी भारतीय की शादियों में इंवेस्टीगेशन एजेंसियों की भूमिका' विषय पर अपनी बात सांझी करते हुए कहा कि अप्रवासी भारतीयों के विवाह के सम्बन्ध में शिकायतों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। शादियों का रजिस्ट्रेशन अवश्य करना चाहिए ताकि सरकारी तन्त्र में उनका रिकोर्ड सुरक्षित रहे।

कार्यक्रम के आरम्भ में अकादमी के उप जिला न्यायवादी श्री रामपाल व कोर्स निदेशक ने मुख्य अतिथि महोदया का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के समाप्ति अवसर पर अकादमी की डीएसपी श्रीमती विद्यावती ने सभी अतिथि वक्ताओं, प्रतिभागियों का धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर अकादमी उप पुलिस अधीक्षक श्री याद राम हपुसे, निरीक्षक रविन्द्र हपुसे, रणधीर सिंह, कन्तुप्रिया, शोर्ट कोर्स इंचार्ज रामकुमार, उप नि दर्शन सिंह, स उप नि संदीप, मुख्य सिपाही कुलदीप, संजय पोरिया, नरेश कुमार व अन्य स्टाफ के सदस्य भी उपस्थित रहे।



# Bite Marks as Much Crucial Forensic Evidence Newly Emerging Crime Fighting Tool



**Dr. Neelam Arya, PhD., MCA, LL.B. Senior Scientific Officer (SOC) Forensic Science Laboratory Haryana.**

The incidence of crime in India is increasing alarmingly. Detection of crime is difficult and requires pains-taking effort by a number of agencies. Advances in forensic sciences have made crime detection scientifically feasible. Crime scene investigation is crucial in any criminal activities to ensure conviction. Forensic odontology is one of the branch of forensics which is still new to criminal justice officials and its success in the criminal justice field is also not so well researched. Major dental clues, being neglected in past are now increasingly used to solve crimes.

Biting is a dynamic process and very often the response of the bitten material is also dynamic. The field of bite mark science is expanding, and the need for individuals trained and experienced in the recognitions, collection and analysis of this type of evidence is increasing. Human bite marks are found when teeth are used as weapons. They can be used as weapons of anger, weapons of excitement, weapons of control or weapons of destructions.

Bite mark is defined as 'a pattern produced by human or animal dentitions and associated structures in any substance capable of being marked by these means'.



Human bite mark evidence is often crucial in establishing that two people were in violent contact with each other at the scene of a crime. The teeth may be used as an offensive weapon during an attack, or they may be used in self-defence. Obviously, the scope of bite mark injuries on human skin is broad depending upon the circumstances, such as the amount of force generated by the teeth, the time of interaction between the teeth and skin, and the type of tissue bitten, as well as the site on the body. It is thus important that forensic experts should consider the possibility of human bites while examining surface trauma in certain cases, particularly, alleged rape and child abuse cases. Teeth may produce various types of traumatic injuries, including erythema, contusion, abrasion, laceration, or tissue avulsion.

Forensic aspects of bite marks analysis can be applied in the following circumstances-

- Teeth mark left in the food stuffs
- Teeth marks on the criminal, when the victim bites the assailant in self defence
- Teeth mark on the victim, when the criminal attacking the victim usually during sexual offences and are found mostly on the breast, neck or back.

In recent years, saliva has attracted much interest among researchers especially in the field of forensic sciences. This complex body fluid is gaining popularity due to its ease of collection, safety in handling, its close relationship with plasma and its use as a diagnostic tool as an alternative to blood or urine. The added advantage of its non-invasive method of collection even by individuals with limited training and avoidance of intrusion of private functions while collection under direct supervision, makes saliva a popular fluid for forensic analysis. Saliva is often detected in scenes of crime along with bite marks or lip prints where the oral cavity may have been involved. In cases of saliva-derived from bite marks of unknown animals, species-specific genetic profile can help in the identification of the animal in question. Another area in which the forensic odontologist is being consulted more frequently is in cases of alleged human abuse, especially in the case of children. Usually in case of child abuse with apparent bite marks, there are only a limited number of persons who could have been able to have intimate enough access to the child to have the opportunity to inflict a bite. In some cases, the criminals happen to have their teeth marks on the substance left at the scene. Such bite marks may be

encountered. The recording of bite marks should be done prior to removal of dead body from the scene of crime. This is because the tooth impression, redness, and bruising have a tendency to disappear very quickly in the cadaver and foodstuffs distort by loss of moisture and inappropriate temperature. In the living subject, bruises change over a period of days, pass off and lessen the mark or impression.

The forensic odontologist's role is to collect, preserve and interpret bite mark evidence. As far as collection and preservation are concerned this requires an immediate response. Bite marks are usually recognised by scenes of crimes officers, pathologists and investigating officers, who often do not appreciate the urgency of preserving the evidence. In many instances the odontologists has to make do with poorly preserved material. There is no particularly right or wrong way in which to analyse a bite mark so long as the method used is scientifically sound and legally acceptable.

However, DNA analysis represents the most scientific, and defensible method of bite mark analysis. Physical evidence is likely to remain a crucial part of bite mark evidence.

DNA evidence is literally anywhere imaginable when it comes to crime scene evidence collection. However, bite mark analysis alone should not be allowed to lead to a guilty verdict, but it will offer the opportunity to exclude a suspect from a crime when the data do not correspond. But, conclusion from the bite mark analysis can assist to answer some very crucial questions about the happening at the crime scene thus helping judicial system.

**निर्वाचन की गरिमा को अक्षण्ण रखने की ली शपथ**

25 जनवरी को अकादमी की रंगशाला में 8वां मतदाता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया इस अवसर पर अकादमी के निदेशक श्री केके सिंधु भापुसे ने पुलिस कर्मियों को मतदाता दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उन्हें लोकतंत्र को मजबूत करने हेतु योगदान की अपील की। इस कार्यक्रम में निरीक्षक सुशील प्रकाश ने कहा कि पहला मतदाता दिवस 25 जनवरी 2011 को मनाया गया था। हमें पुलिस अधिकारी के रूप में जहां सुचारू निर्वाचन में अपनी भूमिका निभानी होती है, वहीं हमें एक नागरिक के रूप में भी अपने मतदान करने के दायित्व को भी नहीं भूलना चाहिए। उप निरीक्षक ओमप्रकाश ने उपस्थितों को मतदाता शपथ का वाचन कराया। अन्य सत्र में निरीक्षक रविन्द्र कुमार व प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षणार्थियों को निर्वाचन संबंधी प्रावधानों की जानकारी प्रदान की।



**सावधानी ही सरक्षा, सरक्षा ही जीवन आधार**

सावधानी ही सुरक्षा, सुरक्षा ही जीवन आधार  
 जीवन के इस मूलमंत्र पर, आओ मिलकर करें विचार,  
 सुखद हो भविष्य बच्चों का, मात-पिता दिन रात जुगत लगाएं  
 बचपन में दें स्कूटी, कहीं क्लास छूट न जाए,  
 अलहड़ बालपन सड़कों पर, स्कूटी खूब दौड़ाएं,  
 जब होत है दुर्घटना में अंगभंग, फिर मात-पिता काहे पछताए ॥  
 सावधानी ही सुरक्षा, सुरक्षा ही जीवन आधार, --- मिलकर करें विचार,  
 जान है जहान है, सदा गीत यही गुनगुनाएं,  
 हो जाए जब अठारा पार, तब गाड़ी उसे सिखाएं  
 प्रशासन प्रदत्त प्रक्रिया अपनाएं, खुद लाईसैंस बनवाएं,  
 फिर गाड़ी पर एल लिखवाकर, सुरक्षा का बोध कराएं ॥



**मुख्य सिपाही संजय पोरिया 2/79 एचएपी, हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन्ध**

सावधानी ही सुरक्षा, सुरक्षा ही जीवन आधार, --- मिलकर करें विचार,  
गाड़ी को रिफलैक्टरस से दुल्हन सी सजाएं,

धुंध, कोहरे और अंधेरे में गाड़ी को सुरक्षित, मंजिल तक पहुंचाए, सीट बैल्ट और ट्रैक में चलने के चलन को, सदा अमल में लाएं,

जुमनि से छूटकारा पाएं, धन व समय बचाएं, यात्रा मंगलमय बनाएं।।  
सावधानी ही सुरक्षा, सुरक्षा ही जीवन आधार, ---मिलकर करें विचार,

हैल्मेट है ऐसी युक्ति, वर्षा, धूल-मिट्टी, धुएं से बचाए,  
जब आफत सिर पर आ पड़े, सुरक्षा कवच बन जाए,  
लाइसेंस, प्रदुषण, बीमा व आर सी में ना कोई चूक करें,  
इन्हें सभा आपादेत सख्ती को आगत में जाप करें ॥

इन्ह सदा अपडट रखन का, जादत म शुभा कर।।  
सावधानी ही सुरक्षा, सुरक्षा ही जीवन आधार, ---मिलकर करें विचार,  
अज्ञानता और लापरवाही का न सिर पर बोझ धरें

जशाता जा लापत्रवाह का, नातर पर जाझ के,  
सभ्य नागरिक की मिसाल बने, पुख्ता प्रमाण पेश करें,  
फिर संबंधित अथोरिटी के समक्ष खद को न शर्मशार करें।

गर्व से सिर उंचा होगा, बिना बाधा के अपने काम रोज करें,  
सावधानी ही सुरक्षा, सुरक्षा ही जीवन आधार, ---मिलकर करें विचार,  
लदकर तीन-तीन, दपहिया को, कभी न तेज दौड़ाएं.

काली सड़को को खून से रंगने से बचाएं,  
खून की आवश्यकता देश को है, सड़कों को नहीं,  
इस जनहित संदेश को, जन-जन तक पहचाएं ॥

सावधानी ही सुरक्षा, सुरक्षा ही जीवन आधार, ---मिलकर करें विचार,  
यातायात सिगनल, चित्रों और चिन्हों का सदा ध्यान रहे,

तोबा-तोबा, गाड़ी चलाते वक्त, कान पर न मोबाइल रहे,  
सड़क पर आपका व्यवहार, कुल की पहचान, इसका ध्यान र

अपने कुल का मान बढ़ाएं, गाड़ी के साइलैंसर से, पटाखे ना चलाएं ॥  
सावधानी ही सुरक्षा, सुरक्षा ही जीवन आधार, ---मिलकर करें विचार,

गम्भीरता से मनन कर, सड़क नियमों को अपनाएं।  
आने वाली पीढ़ियों का, भविष्य सुखद बनाएं।

 सड़कें हमारे लिए हैं, हम सड़कों के लिए नहीं,  
जीवनरूपी इस मूल मंत्र को, भावी पीढ़ी तक पहुंचाएं ॥  
॥ जय दित्त ॥

## आशा स्कूल में मनाया गया गुरु तेग बहादुर जन्मोत्सव

23 जनवरी को आशा स्कूल मधुबन के दिव्यांग बच्चों ने नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर स्कूल प्रांगण में साफ-सफाई की और स्कूल को विभिन्न सुन्दर वस्तुओं से सजाया। इस अवसर पर श्री गुरु तेग बहादुर सिंह सभा गुरुद्वारा पुलिस परिसर मधुबन के सदस्यों ने नेताजी की याद में आशा स्कूल के दिव्यांग बच्चों को एक कम्प्यूटर सेट भेंट किया तथा सभी बच्चों को फल व मिठाईयां भी वितरित की।

इस अवसर पर उपस्थित मुख्यातिथि प्रसिद्ध समाज सेविका आलोका कविराज ने कहा कि नेता जी सुभाष चन्द्र बोस का जीवन हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत है। वे ओजस्वी वक्ता होने के साथ-साथ सच्चे देशभक्त भी थे। आज बच्चों ने नेताजी के बारे में जो जानकारी दी गई है वह इन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। इन बच्चों के साथ हर प्रकार के उत्सव भी मनाए जाने चाहिए जिससे इनका बौद्धिक विकास हो सके। और ये खुद को समाज से अलग ना समझे, इन्हें समाज की मुख्यधारा के साथ जोड़ा जा सके। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मैं श्री गुरु तेग बहादुर सिंह सभा गुरुद्वारा मधुबन के सदस्यों का दिल की गहराईयों से यहां पहुंचने पर और उनके अमूल्य सहयोग के लिए धन्यवाद करती हूं। हरियाणा सशस्त्र पुलिस मधुबन के द्वारा अशक्त बच्चों के लिए 'आशा स्कूल' चलाया गया है जो एक सराहनीय पहल है। इसके लिए मैं निदेशक हरियाणा पुलिस अकादमी श्री केके सिन्धु भापुसे व महानीरीक्षक एचएपी श्री एचएस दून भापुसे अन्य अधिकारीयों का धन्यवाद करती हूं जिनके सहयोग से आसपास के 27 गांवों के अशक्त बच्चे मुफ्त शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। साथ ही स्कूल की शिक्षिकाओं व मधुबन परिसर के पुलिस कर्मचारियों का धन्यवाद करता हूं जो इस मुहिम से जुड़े हुए हैं। इस अवसर पर श्री गुरु तेग बहादुर सिंह सभा मधुबन के सदस्य, नरसिंह, अशोक कुमार, संजय कुमार पोरिया, कुलदीप सिंह, रणबीर सिंह, सुनीता, काजल व स्कूल स्टाफ के सदस्य आदि उपस्थित रहे।



### बेटे के जन्मदिन पर दिव्यांग बच्चों को दिया आशीर्वाद सांझी की खुशियां

पुलिस के लिए समाज का हित सर्वोपरी है। समाज के प्रति अपनी डूयूटी को कोई पुलिसकर्मी तब ठीक प्रकार से निभाने में सक्षम होता है जब वह अपनी खुशियों में भी समाज को शामिल करे। इस विचार को दिनांक 5 मार्च 2018 को हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हिमाचल प्रदेश पुलिस के प्रशिक्षु डीएसपी श्री अनिल मेहता ने उस समय सार्थक किया जब उन्होंने अपने बेटे के जन्मदिन को आशा स्कूल मधुबन के विशेष बच्चों के साथ मनाया। श्री मेहता पुलिस में नियुक्त होने से पहले अपने बेटे हिमांक का जन्मदिन घर पर मनाते थे। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने जब एक अच्छे पुलिस अधिकारी के गुणों को आत्मसात करना आरम्भ किया तो उन्हें समाज के प्रति अपने दायित्व के बोध को समझने का अवसर मिला और वे जनहित कार्यों के लिए प्रेरित हुए। जिसका इजहार उन्होंने दिव्यांग बच्चों के साथ खुशियां बांटकर किया। श्री मेहता ने बच्चों को प्यार और आशीर्वाद दिया तथा उन्हें फल और मिठाईयां भेंट की।

इस अवसर पर उपस्थित प्रसिद्ध समाज सेविका श्रीमती आलोका कविराज ने डीएसपी मेहता के बेटे हिमांक के लिए जन्मदिन की हार्दिक शुभकानाएं देते हुए कहा कि अपने खुशी के अवसरों में इन बच्चों को शरीक करना पुलिस के मानवीय चेहरे को और मुखर करता है। इस अवसर पर अकादमी के अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ कार्तिक दुआ ने कहा कि समाज में अच्छे कार्य करने वालों की पहचान और सम्मान होना चाहिए इससे दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है। सहयोगी प्रशिक्षु डीएसपी श्री अनिल पटियाल ने कहा कि अकादमी के निदेशक श्री केके सिन्धु भापुसे के निर्देशन में बेहतर प्रशिक्षण से पुलिसकर्मियों में मानवीय दृष्टिकोण का विकास हो रहा है। कानून के साथ समाज के प्रति दायित्व की समझ से इस प्रकार के अवसरों में बच्चों को शामिल करना संभव हुआ है। अकादमी के प्रशिक्षकों ने इस नेक कार्य के लिए डीएसपी अनिल मेहता को बधाई दी। इस अवसर पर उपनिरीक्षक नरसिंह, सहायक उपनिरीक्षक अशोक, मुख्य सिपाही संजय पोरिया, सिपाही रणबीर सिंह व स्कूल स्टाफ की शिक्षिका सुनीता व काजल भी उपस्थित रहीं।





### Arrival & Joining at the Academy

Sh. Ashok Kumar  
District Attorney  
joined the Haryana  
Police Academy  
on 19.03.18

Sh. Vivek Chaudhary  
HPS Deputy  
Superintendent of  
Police joined the  
Haryana Police  
Academy on 26.03.18



### DAV Police Public School Madhuban



राष्ट्रीय जूनियर वूशु चैंपियनशिप रजत पदक विजेता छात्रा अंजलि



कक्षा से बाहर खेल-खेल में विज्ञान सिखलाई



अध्यापिकाओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला



स्वच्छ भारत अभियान-पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित



परियोजना 'मिलन' के तहत राजकीय विद्यालयों की छात्राओं को शिक्षित करता डीएवीपीपीएस मधुबन



## Courses



Traffic Basic Course Batch No. 97 (01.12.2017 to 08.01.2018)



Bomb Disposal Course Batch No. 18 (01.12.2017 to 04.01.2018)



Bomb Disposal Course Batch No. 19 (01.02.2018 to 16.03.2018)

# Courses



**Cyber Crime Investigation Course [CDR & Tower Dump] (19.03.2018 to 20.03.2018)**



**Physical Training (PT) Course Batch No. 09 (02.11.2017 to 15.03.2018)**



**Three Days Advance Course on Mobile & Computer Forensic for NGO's & ORs (10.01.2018 to 12.01.2018)**

## सेवानिवृति के यादगार क्षण



श्री रविन्द्र कुमार



श्री सुरेश चन्द्र



श्री सुभाष चन्द्र



श्री गणेश चन्द्र

### Pass Out



Recruit Basic Course Batch No. 85 (15.07.17 to 06.02.2018)

## Promotions- Never to be Forgotten



Naib Sub. Dhanraj Pisal



ASI Seema



Naib Sub. Tarsem Lal



ASI Meenu Khan



ASI Mamta



ASI Monu Pal



HC Vikram Singh



HC Narender Singh



HC Amandeep



HC Rajneesh



HC Parveen

# Congratulations

Sh. B.S. Shandhu IPS, DGP Haryana has conveyed heartiest congratulations to all the Police Officers who have been awarded Police Medals on the eve of Republic Day 2018.

## Presidents' Police Medal for Distinguished Services (2)



Dr. Arun Singh, IPS  
SP Jind



Insp. Lakhwinder Kumar  
CID, PKL

## Police Medals for Meritorious Services (11)



Sh. Saurabh Singh, IPS IGP SCB,  
Modernisation & STF PKL



Smt. Bharti Arora, IPS  
IGP SVB Gurugram



Sh. Balwan Singh, IPS  
HVPNL, GGM



Sh. Raj Kumar, IPS  
SP CID, New Delhi



Sh. Sumer Singh, HPS  
ACP GGM



Sh. Rajiv Kumar, HPS  
ACP GGM



Insp. Baljit Singh, HHRC  
CHD (HR)



SI Satya Dev, FBD



SI Ram Kishan, GGM



SI Arvind Kumar, GGM



ASI Ashok Kumar, PKL

Chief Editor : K.K. Sindhu, Director HPA ; Editors : Sh. Rajender Kumar Meena SP/ HPA & SI Om Parkash (CPT)  
Page-making: HC Sewa Dass & Ct.Ram Kishan; Photo : ASI Meenu Khan & Mr. Surender ( Banti)